सजा है श्री राम दरबार

सजा है श्री राम दरबार ,
राजा राम के राज्य-तिलक का ,आज है शुभ दिन वार॥

सिंहासन सियाराम बिराजै। तीनों भाई इत-उत साजै॥
चरणों में हनुमान खड़े हैं ,शोभा अपरम्पार।
सजा है.....

गुरुवर तिलक राम को दीन्हां। माताओं ने आशीष दीन्हां॥
सुर-नर ,पुरूजन ,परजन जन-गण ,बोलें जय जयकार।
सजा है.....

बाज रहे हैं अनहद बाजे। हर कोई झूमें हर कोई नाचे॥
कनक भवन मंगल-धुन बाजे ,हो रहा मंगलाचार।
सजा है.....

राजा राम अवधपति राजे। यथा योग्य सब लोग नवाज़े॥
लूट मची है खूब "मधुप हरि" ,लूट रहा संसार।
सजा है..... ।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33172/title/saja-hai-shri-ram-darbaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |